संकलित परीक्षा - II, 2013

V05029V

कक्षा - X

हिन्दी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - क

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5

अथर्ववेद में लिखा है — 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' अर्थात् भूमि माता है और हम पृथ्वी के पुत्र हैं। एक जगह यह भी विनय की गयी है कि 'हे पवित्र करने वाली भूमि! हम कोई ऐसा काज़ न करें जिससे तेरे हृदय को आघात पहुँचे।' हृदय को आघात पहुँचाने का अर्थ है पृथ्वी के पर्यावरण के साथ क्रूर छेड़छाड़ न करना। हमें प्राकृतिक संसाधनों के अप्राकृतिक एवं बेतहाशा दोहन से बचना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व के तमाम राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरे को लेकर आपसी मतभेद भूला दें और अपनी-अपनी जिम्मेदारी ईमानदारीपूर्वक निभाएँ, ताकि समय रहते सर्वनाश से उबरा जा सके। विश्व-विनाश से निपटने के लिए सामूहिक एवं व्यक्तिगत प्रयासों की जरूरत है। अरण्य रोदन के बदले अरण्य संरक्षण की बात हो रही है।

(i) 'हम कोई ऐसा काज़ न करें जिससे तेरे हृदय को आघात पहुँचे।' वाक्य में आए 'काज़' शब्द के लिए तत्सम शब्द होगा —

(क) कर्म (ख) कार्य

(ग) कम्म (घ) काम

(ii) अथर्ववेद में क्या लिखा है?

(क) भूमि माता नहीं है।

(ख) हम पृथ्वी के पुत्र हैं।

(ग) हम कोई काम न करें।

(घ) मतभेद भुला दें।

(iii) गद्यांश के अनसार आवश्यकता किस बात की है —

LIBRARY (GIRLS) DAMMAM

(क) विश्वस्तर पर आपसी मतभेद भूलाकर अपनी जिम्मेदारी ईमानदारीपूर्वक निभाना

(ख) विश्वस्तर पर आपसी मतभेद निभाना

(ग) विश्वस्ता पर जलवायु परिवर्तन के खतरे को बढ़ाना

(घ) विश्वस्तर पर अपनी जिम्मेदारी से इंकार करना

(iv) लेखक ने किस चीज़ से बचने की सलाह दी है?

(क) प्राकृतिक साधनों की कम दोहन करने की

(ख) प्राकृतिक साधनों का अप्राकृतिक एवं बेतहाशा दोहन करना

(ग) प्राकृतिक साधनों का रोदन करना

(घ) प्राकृतिक साधनों का पूर्ण रूप से दोहन पर रोक लगाना

(v) विश्वविनाश से निपटने के लिए किन प्रयासों की जरूरत है?

(क) सामूहिक प्रयास की

(ख) व्यक्तिगत प्रयास की

(ग) सामूहिक एवं व्यक्तिगत प्रयासों की

(घ) इनमें से कोई नहीं।

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

शिक्षा नैतिकता है, जो मानव-समाज का सृजन करती है। शिक्षक का धर्म है अपनी आंतरिक ज्योति से विद्यार्थी के मन को प्रकाशित करके वहाँ सत्य की स्थापना कर दे, जिससे उसका अपना जीवन सार्थक हो जाए। श्रेष्ठ अध्यापक मात्र एक विद्वान ही नहीं बल्कि वह है जो निरंतर बिना किसी पुरस्कार की कामना के अपने शिष्य के उत्थान और कल्याण का ध्यान रखता है। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति है। अपने सदाचरण से शिक्षक बच्चों को समाज सेवा के लिए समर्थ, नैतिक और भाव से पूर्ण बनाता है। अध्यापक का दायित्व ही अपने ज्ञान से अपने शिष्य का पूर्ण विकास करना है। विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए कष्ट सहना तप है। उनकी दृष्टि ज्ञान और विद्या की आभा से ज्योतिर्मय हो जाती है, आत्मनिर्भर, सज्जन मानव बनना जीवन का उद्देश्य है। जीवन मूल्य से सही दिशा मिलती है। शिक्षक की आत्मिक ऊर्जा लेने के बजाय देने की भावना है। शिक्षा देनेवाले की उम्र बड़ी होती है। गरीब बच्चों की शिक्षा में योगदान करने वाले डॉ. राधाकृष्णन, अब्दुल कलाम, शंकर दयाल शर्मा अध्यापक ही रहे।

(i) शिक्षक शिष्यों का कल्याण करता है —

(क) बिना किसी स्वार्थ के (ख) बिना किसी पुरस्कार के

(ग) बिना किसी कामना के (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) डॉ. राधाकृष्णन, अब्दुल कलाम, शंकर दयाल शर्मा का उल्लेख किया गया है उनके —

(क) शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के कारण

(ख) अनुशासित बच्चों को पुरस्कृत करने के कारण

(ग) गिने-चुने बच्चों को शिक्षित करने के कारण

(घ) गरीब बच्चों के पालन-पोषण के कारण

(iii) शिक्षा नैतिकता है, जो सृजन करती है —

(क) मानव समाज का (ख) विद्यार्थियों का

(ग) शिक्षकों का (घ) सज्जनों का

(iv) विद्यार्थियों के लिए तप का अर्थ है —

(क) आंतरिक ज्योति जगाना

(ख) अध्ययन के लिए कष्ट सहना

(ग) ब्रह्मचारी बनकर अध्ययनरत रहना

(घ) तपस्या करना

(v) उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है —

(क) शिक्षा और शिक्षक का (ख) शिक्षा और नैतिकता का

(ग) शिक्षा और विद्यार्थी का (घ) शिक्षा और आत्मनिर्भरता का

3 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :** 5

सुरपुर से भी मुख मोड़ूँगा,
केशव ! मैं । उसे न छोड़ूँगा।
जिस नर की बाँह गही मैंने,
जिस तरु की छाँह गही मैंने,
उस पर न वार चलने दूँगा,
कैसे कुठार चलने दूँगा ?
जीते-जी उसे बचाऊँगा,
या आप स्वयं कट जाऊँगा।
मित्रता बड़ा अनमोल रत्न,
कब इसे तौल सकता है धन,
धरती की तो है क्या बिसात ?
आ जाए अगर बैकुंठ हाथ,
उसको न्योछावर कर दूँ,
कुरुपति के चाणों पर धर दूँ।

(i) 'मुख मोड़ना' मुहावरे का अर्थ है —
(क) सही वक्त पर सात छोड़ देना (ख) हार मान लेना
(ग) साफ इनकार करना (घ) दो टूक जवाब देना

(ii) कर्ण ने दुर्योधन का साथ न छोड़ने के लिए क्या कहा ?
(क) स्वर्ग का सुख भी त्याग दूँगा।
(ख) अपने प्राणों को भी न्योछावर कर दूँगा।
(ग) मित्रता के लिए धन-सम्पत्ति सब छोड़ दूँगा।
(घ) उपरोक्त सभी।

(iii) किसके मूल्य को धन नहीं तौल सकता ?
(क) मित्रता को (ख) ज़िंदगी को
(ग) दुर्योधन को (घ) कर्ण को

(iv) 'तरु' का पर्याय नहीं है —
(क) पेड़ (ख) विटप
(ग) वृक्ष (घ) कुठार

(v) उपरोक्त काव्यांश के लिए उचित शीर्षक है —
(क) दुर्योधन व कर्ण (ख) कृष्ण का संवाद
(ग) धन का महत्त्व (घ) मित्रता: अनमोल रत्न

4 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :** 5

रद्दी अख़बारों की ढेरी-सा
टूटे फूटे शीशे व टीन - सा
युग की उपलब्धियों का-
माल बिक सकता ?
कोई फेरी वाला गुहार लगाता आए,
यह सब ले जाए,
सारा-का-सारा कबाड़ उठ जाए,
तो सजावट सुथरी होकर निखरे
हर चीज़ सही तरतीब में लगे और सुथरे।
युग की उपलब्धियों की इस ढेरी में
टूट-फूटे कनस्तर और डिब्बों जैसे-
मुझाए हुए विश्वास,
मैले-कुचैले जीर्ण-शीर्ण चिथड़ों सा-
विकृत स्वाभिमान,
टूटी फूटी बोतल - से
टूटे हुए सपने,
टूटे हुए बरतन सरीखे
ये अर्ध सत्य-
ये ही सब लगा हुआ
रद्दी का अंबार
बेहद कूड़ा-कबाड़
निश्चय ही इस रद्दी का-
खरीददार आएगा,

(i) विश्वास और सत्य जैसे जीवन-मूल्यों की तुलना किन -किन वस्तुओं से की गई है ?

(क) बोरी और कूड़ा-कबाड़ से (ख) बरतन और रद्दी से
(ग) टूटे-फूटे कनस्तर व डिब्बों से (घ) शीशी व बोतल से

(ii) युग की उपलब्धियों से क्या अभिप्राय है ?

(क) जो कुछ गँवाते हैं।
(ख) जो कुछ प्राप्त करते हैं।
(ग) जो कुछ कोई दया करके दे जाता हैं।
(घ) जो कुछ हम किसी को दान कर देते हैं।

(iii) कविता का मूल भाव क्या है ?

(क) पुराने जीवन-मूल्य वर्तमान समय में अपनी सार्थकता खो बैठे हैं।
(ख) पुराने जीवन-मूल्य वर्तमान समय में भी अपनी सार्थकता बनाए हुए हैं।
[illegible]

(ग) जीवन-मूल्यों पर किसी समय का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

(घ) रद्दी अखबार फेरी वाले के लिए होते हैं।

(iv) साहित्यकार और युग-निर्माताओं द्वारा एक नए रूप में ढाला गया जीवन-मूल्य किसे पसंद है?

(क) प्रकृति को (ख) पशु-पक्षियों को

(ग) जनता को (घ) निर्जीवों को

(v) 'तरतीब' का विलोम शब्द है-

(क) तितर-बितर (ख) उपाय (ग) करीने से (घ) ढंग से

खण्ड 'ख'

5 (क) **निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए —** 4

(i) यह पुस्तक मुझे मेरी दिल्ली वाली सखी ने दी थी।

(ii) पुत्री के प्रथम आने का समाचार सुनकर माता खुशी से फूली न समाई।

(ख) (i) समास-विग्रह कर समास का नाम लिखिए —

विचारमग्न

(ii) समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए —

कमल के समान कर

6 **निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों के वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए -** 4

(i) जान बख्श देना

(ii) सिर झुकाना

(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या

(iv) मान न मान मैं तेरा मेहमान

7 (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए - 4

(i) यह दृश्य बहुत सुंदर है।

(ii) छात्र कार्य कर रहे हैं।

(iii) बच्चा धीरे-धीरे चलता है।

(ख) संधि-विच्छेद कीजिए -

महात्मा

8 **(क) निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए —** 4

(i) उसका चिल्लाना सुनकर पिताजी जग गए। (संयुक्त)

(ii) मेरे कहे अनुसार चलो। (मिश्र)

(iii) बड़े होने की वजह से हमें सोच-समझकर बोलना चाहिए। (संयुक्त)

(ख) निम्नलिखित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए —

सीमांत

9 (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए। 4

(i) कृपया करके ध्यान दें।

(ii) एक गर्म कप टमाटर का सूप पीते जाओ।

(iii) मेरे को मत रोको।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए।

यथा + एव, दिन + अंत

खण्ड - ग

10 कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ। 5
जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ।।
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै,दैन कहैं नटि जाइ।।

(i) दोहे में चित्रित किन जीवों में जन्मजात विरोध है -
(क) साँप और मृग में
(ख) मयूर और बाघ में
(ग) साँप-मोर और हरिण-बाघ में
(घ) मोर और मृग में

(ii) दोहे में राधा की विशेषता बताई गई है कि वह -
(क) कृष्ण से बातों की लालची है
(ख) कृष्ण के रूप की लोभी है
(ग) कृष्ण के दर्शन की इच्छुक है
(घ) कृष्ण के साथ रासलीला की रसिक है

(iii) राधा ने क्या काम किया था?
(क) वृंदावन में चली गई थी।
(ख) कृष्ण के वस्त्रों को छिपा दिया था।
(ग) कृष्ण की मुरली को छिपा दिया था
(घ) कृष्ण के मुकुट को छिपा दिया था।

(iv) राधा क्या चाहती थी?
(क) कृष्ण सिर्फ उसी से बातें करें
(ख) कृष्ण मीठी तान सुनाएँ
(ग) कृष्ण उसके साथ नृत्य करें
(घ) कृष्ण उसके साथ घूमने जाएँ।

(v) राधा मुरली छिपाकर क्या करने लगी?
(क) हँसने लगी, कसमें खाने लगी और मुरली को देने से मना करने लगीं।
(ख) जंगल में कृष्ण के साथ घूमने चली गई।
(ग) नृत्य एवं भजन पूजा करने लगी
(घ) मुसकराने एवं गाने लगी।

अथवा

बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह। 5
देखि दुपहरी जेठ की छाँहौं चाहति छाँह।।
कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।
कहिहै सबु तेरौ हियौ,मेरे हिय की बात।।

(i) जेठ के महीने में छाँह क्या चाहती है?
(क) तेज वर्षा
(ख) भीषण आँधी
(ग) अत्यधिक ठंड
(घ) सघन छाया

(ii) जेठ की दुपहरी में छाया कहाँ रहती है?
(क) छाते के नीचे
(ख) घने जंगलों और घरों में
(ग) गहरे गड्ढों और कुँओं में
(घ)दुखी व्यक्ति के हृदय में

(iii) नायिका मन की बात क्यों नहीं कह पा रही है?
(क) लाज के कारण
(ख) व्यस्तता के कारण
(ग) डर के कारण
(घ) विरह व्यथा की अधिकता के कारण

(iv) 'कहिहै सबु तेरौ हियौ,मेरे हिय की बात' का क्या अर्थ है?
(क) विरह से व्यथित तेरा हृदय स्वयं तुझे बता देगा
(ख) गहन प्रेम के कारण दोनों के हृदय समान हैं
(ग) नायक-नायिका आपस में एक दूसरे के बहुत निकट हैं
(घ) दोनों एक दूसरे के भावों को समझने में समर्थ हैं

(v) दोहे में नायिका के हृदय की किस अवस्था का चित्रण है?
(क) दुखी अवस्था का
(ख) मिलन को आतुर अवस्था का
(ग) अभिव्यक्ति में असमर्थ अवस्था का
(घ) चित्त की हर्षमयता का

11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

(1) बड़े कबूतर लेखक के घर में बार-बार क्यों आते थे? 3

(2) दुकानों के पास भिखारी तक भी न होना किस बात का सूचक है? आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? 3

(3) 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि सआदत अली को अवध की गद्दी देने के पीछे क्या योजना थी ? 3

12 आपके विचार में वर्तमान समय में गांधीजी के आदर्श और व्यवहारिकता का समन्वय कितना सफल हो सकता है ? पठित पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए। 5

अथवा

विद्यार्थियों के जीवन में बढ़ता तनाव उन्हें अपराध की दुनिया की ओर ले जा रहा है। - क्या आप इस मत से सहमत है ? उसके लिए समाज के ढाँचे में क्या परिवर्तन लाया जा सकता है ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 5

13 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —** 5

''हमारे जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आपसे लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। ...अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ़्तार हमेशा तेज़ ही रहती है। उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है। ... यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं।..''

(क) 'प्रतिस्पर्धा' शब्द का अर्थ लिखिए।

(ख) जापानियों में तनाव के क्या-क्या लक्षण दिखाई देते हैं ?

(ग) जीवन की रफ़्तार बढ़ने से लेखक का क्या तात्पर्य है ? तथा इसके कारण क्या हैं ?

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — 5

हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

(क) 'असल में दोनों काल मिथ्या हैं' - कथन से लेखक का क्या आशय है ?

(ख) लेखक ने किसे सत्य कहा ? और क्यों ?

(ग) वर्तमान क्षण अनंतकाल जितना विस्तृत कैसे हो सकता है ?

14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

(1) कवि बिहारी अपने कष्ट किसकी कृपा से दूर करना चाहते हैं और क्यों ? 3

(2) 'कर चले हम फ़िदा' गीत का संक्षिप्त प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। 3

(3) मनुष्य को ईश्वर के अतिरिक्त किस पर भरोसा करना चाहिए और क्यों ? 3
'आत्मत्राण' कविता के आधार पर लिखिए।

(4) 'तेरे जीवन का अणु गल-गल' पंक्ति से महादेवी वर्मा क्या कहना चाहती हैं और क्यों ? 3

15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

(1) कक्षा में मास्टर जी द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए टोपी के बार-बार हाथ उठाने पर मास्टर जी ने क्या कहा ? क्यों ? 3

(2) 'अगली कक्षा में जाने के विचार से बच्चे उत्साहित भी होते थे और उदास भी' सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए कि ऐसा क्यों? 3

(3) हैडमास्टर जी ने पी.टी. मास्टर को बच्चों को सज़ा देते हुए देखा तो उन्होंने पी.टी. मास्टर को किन शब्दों में डाँटा? आगे क्या कदम उठाया। 3

16 क्या एक भाषा-भाषी ही सच्चे मित्र हो सकते हैं? टोपी शुक्ला पाठ को दृष्टि में रखते हुए अपना मत प्रस्तुत कीजिए। 4

खण्ड - घ

17 निम्न में से किसी एक विषय पर (संकेत बिन्दुओं के आधार पर) लगभग 80 से 100 शब्दो का अनुच्छेद लिखिए।

(1) **विकास में बाधक कौन-युवा या नेता?** 5

- युवा व नेता में अन्तर
- विकास में बाधक कौन और कैसे?
- विकास में सहायक कौन और कैसे?

(2) **अपने पथ से भटका युवक चला किस ओर -** 5

- राह से भटकती युवा पीढ़ी के कारण
- निवारण
- उचित मार्गदर्शन

(3) **टी. वी. चैनलों का युवा वर्ग पर प्रभाव -** 5

- विचाराभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम
- असामाजिक कार्यक्रम
- उत्तरदायित्व निभाने में चूक

18 आप नौवीं में पढ़ने वाले देवेन्द्र है। आपकी कक्षा का श्यामपट्ट खराब हो गया है। उसकी मरम्मत करवाने हेतु विद्यालय के प्रबन्धक अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

महिला समिति, लोदी कालोनी, दिल्ली की अध्यक्ष होने के नाते आप महँगाई की समस्या पर रोष प्रकट करते हुए अपने क्षेत्र के जिला अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

-o0o-